परास्नातक संस्कृत कार्यक्रम (एम.ए.संस्कृत)
(एम.एस.के.)

सत्रीय कार्य (Assignment)

(जुलाई, 2024 एवं जनवरी, 2025 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : **MSK-002**
व्याकरण

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

परास्नातक संस्कृत कार्यक्रम (एम.ए.संस्कृत)
(एम.एस.के.)

व्याकरण

सत्रीय कार्य (2024—25)

पाठ्यक्रम कोड : MSK-002/2024-25

प्रिय छात्रों / छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य है, इसके लिए 100 अंक निर्धारित हैं। इस सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जॉच स्तरीय कार्यक्रम का उद्देश्य यह जॉचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं, इसी का मूल्यांकन करना इस सत्रीय कार्य का उद्देश्य है, यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है बल्कि अध्ययन के दौरान जो कुछ सिखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। यह उद्देश्य है।

निर्देश :— सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये—

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे प्रदर्शित है:

अनुक्रमांक :..
नाम :..
पता :..

पाठ्यक्रम का नाम / कोड :........................
सत्रीय कार्य कोड :......................................
अध्ययन केन्द्र का नाम / कोड :..................................
दिनांक :..

3) उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का प्रयोग करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
4) प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
5) सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निम्न निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अन्तिम तिथि :

जुलाई 2024 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2025
जनवरी 2025 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2025

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश :

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगाः

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। पुनः इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी महत्वपूर्ण बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए।
2. **अभ्यास** : अपने उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए तथा प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबन्धात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।
3. यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :
   क) आपका उत्तर तार्किक एवं क्रमबद्ध हो।
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्टता हो।
   ग) दिया गया उत्तर आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
   घ) कोई भी उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक न हो।
   ड.) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों।
4. **प्रस्तुतिः** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएं, तो उसको साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।
5. **विशेषः** अपने उत्तर की फ़ोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।

सत्रीय कार्य
MSK–002 व्याकरण

पाठ्यक्रम कोड –MSK–002
पाठ्यक्रम शीर्षक – **व्याकरण**
सत्रीय कार्य – MSK –002/TMA/2024–2025
पूर्णांक – 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

विशेषः इस सत्रीय कार्य में कुल 10 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक है।

1. राम शब्द की रूप सिद्धि में प्रयुक्त सूत्र की उदारहण सहित व्याख्या करें।
2. लता शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए और 'मति' शब्द के समान रूप चलने वाले किन्हीं पाँच ह्रस्व इकारान्त, स्त्रीलिङंग शब्दों का उल्लेख कीजिए।
3. अलोऽन्त्यस्य सूत्र के पदच्छेद का उल्लेख करते हुए उदारहण सहित व्याख्या कीजिए।
4. 'व्रजम् अवरुणाद्धि गाम्' यहॉ अधोरेखाडिंकत पद में प्रयुक्त विभक्ति के विधायक सूत्र का उल्लेख करते हुए उक्त उदाहरण वाक्य को स्पष्ट कीजिए।
5. 'हरये रोचते भक्तिः' यहॉ अधोरेखाडिंकत पद में प्रयुक्त विभक्ति के विधायक सूत्र का उल्लेख करते हुए उक्त उदाहरण वाक्य को स्पष्ट कीजिए।
6. (क) वारि शब्द के विविध रूपों की सिद्धि–प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रोल्लेख पूर्वक स्पष्ट कीजिए।

   (ख) 'परोक्षे लिट्' अथवा 'तिङ्.शित् सार्वधातुकम्' सूत्र के अर्थ को स्पष्ट कीजिए।
7. (क) आतोऽनुपसर्गे कः अथवा 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः' सूत्र की सोदारण व्याख्या कीजिए।

   (ख) 'अभूत' अथवा 'भविष्यति' की सिद्धि–प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए।
8. (क) अनुनासिकस्य क्विझलोः अथवा 'आतो ङि.तः' सूत्र की व्याख्या कीजिए।

   (ख) एध् धातु की लृङ् लकार प्रक्रिया का वर्णन करो।

9. नन्दिग्रहिपचादिभ्यो ल्युणिन्यचः की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
10. 'गुणो यङ्.लुकोः' पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।